जोधपुर शहर में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी

शहर के होटल, रिसॉर्ट, होम स्टे और गेस्ट हाउस फुल, रौनक बढ़ी

जोधपुर, (कासं)। नए साल 2026 के स्वागत से पहले ही सूर्यनगरी पर्यटकों से पूरी तरह गुलजार है। देश और विदेश से बड़ी संख्या में लोग न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए जोधपुर पहुंच रहे हैं। शहर के होटल, रिसॉर्ट, होम स्टे और गेस्ट हाउस लगभग फुल हो गए हैं। पर्यटन स्थलों, बाजारों और ऐतिहासिक धरोहरों पर रौनक देखते ही बन रही है।

- **मेहरानगढ़ दुर्ग, उम्मेद भवन पैलेस, माचिया सफारी पार्क, सुरपुरा बांध, मंडोर उद्यान, कायलाना लेक, घंटाघर, जसवंत थड़ा सहित प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों पर टूरिस्ट पहुंच रहे हैं**

जोधपुर शहर में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है। शहर के प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट पर इन दिनों टूरिस्ट की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है। जोधपुर शहर के प्राचीन मेहरानगढ़ दुर्ग, उम्मेद भवन पैलेस, माचिया सफारी पार्क, सुरपुरा बांध, मंडोर उद्यान, कायलाना लेक, घंटाघर, जसवंत थड़ा सहित प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों पर इन दिनों देसी और विदेशी टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि ईयर एंड होने की वजह से भारी भीड़ भी नजर आ रही है। जोधपुर शहर में आम दिनों के मुकाबले टूरिस्ट की संख्या में दोगुना बढ़ोतरी हो चुकी है। जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग के म्यूजियम ट्रस्ट के प्रशासक कर्नल अजय सिंह शेखावत ने बताया कि की यहां पर आम दिनों में 2500 से 3000 के करीब पर्यटकों की आवाजाही रहती है, लेकिन इन दिनों यह आंकड़ा 6 से 7000 तक पहुंच चुका है, जिसमें देशी और विदेशी टूरिस्ट भी शामिल हैं। लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ न्यू ईयर को सेलिब्रेट करने के लिए पहुंचे हैं।

बीकानेर का रायसर नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना

बीकानेर, (निसं)। यहां रायसर नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। यहां 100 से ज्यादा टेंट सिटी बनाए गए हैं। एक ऐसी जगह, जहां कभी लोग रात में रुकने से डरते थे। यहां रेत के टीले देखने टूरिस्ट केवल दिन के उजाले में ही आते थे। दावा किया जाता था कि शाम ढलते ही यह जगह पूरी तरह वीरान हो जाती थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। जो जगह कभी वीरान रहती थी, वह अब टूरिस्ट से गुलजार है। कैमल सफारी, बाइक राइडिंग, सनसेट पॉइंट और न जाने क्या-क्या। खाने-रहने से लेकर एडवेंचर एक्टिविटी के सारे इंतजाम हैं। अब यहां दिन-रात चहल-पहल बनी रहती है। शाम ढलते ही पूरा इलाका रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। यहां के लोक गीत कानों में रस घोलते हैं। यहां आने वाले टूरिस्ट अपने साथ ऐसी यादें लेकर लौटते हैं, जिन्हें वे कभी भूल नहीं पाते।

बीकानेर में आने वाले विदेशी टूरिस्ट की संख्या काफी कम रहती थी। ऐसे में जो भी विदेशी टूरिस्ट यहां आते थे, उन्हें गाइड रेत के टीले दिखाने रायसर ले जाते थे। बताया जाता है कि उस समय यहां चारों तरफ केवल रेत के टीले ही थे। महज 10 से 50 रुपए में ऊंट गाड़ी की सवारी हो जाया करती थी। यहां न तो पीने के लिए पानी की कोई व्यवस्था थी और न ही रात में रुकने के लिए जगह। यहां आने वाले टूरिस्ट दिन में ही यह जगह देखकर वापस लौट जाते थे।

साल 2020 में यहां जैसलमेर की तर्ज पर टेंट सिटी बसाने का प्लान तैयार किया गया। जिन लोगों के धोरों में खेत थे, उन्होंने इसकी पहल की। यहां कपड़ों और मिट्टी से टेंट सिटी को डेवलप किया गया। 10 से 15 बीघा में यहां पूरा शहर बसा दिया गया। टेंट सिटी के संचालक राजू सिंह बताते हैं कि पहले यहां खेत हुआ करते थे। धीरे-धीरे उनके परिवार ने टूरिस्ट लाना शुरू किया। शुरुआत में टूरिस्ट को सिर्फ ऊंट गाड़ी पर बैठाकर ही सफारी कराई जाती थी। आज यह एरिया टूरिस्ट स्पॉट बन गया है। अब करीब 100 बीघा में यहां टेंट सिटी फैली हुई है। ये पूरा इलाका रेत के ऊंचे-ऊंचे टीलों से घिरा हुआ है।

हमला करने के छह आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

कोटा, (निसं)। इटावा पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में छह हमलावरों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 26 नवम्बर को फरियादी ने इटावा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 25 नवम्बर की रात्रि को वह और उसका दोस्त बुद्धिप्रकाश दोनों राम श्याम ढाबा के सामने खातौली रोड इटावा पर खाना खाने गये थे। उसी समय वहां पर चार मोटरसाईकिलों पर अखिलेश गुर्जर, बहादुर बंजारा, प्रदीप गुर्जर, निरंजन खटाणा, ब्रहमा गोस्वामी, गोलू धाकड़, ब्रजेश गुर्जर, सौरभ सैन सहित अन्य हाथों में तलवार, गंडासे, लोहे के पाईप, लठ्ठ लेकर आये और बुद्धिप्रकाश को जान से मारने की नियत से उस पर ताबड़तोड़ वार किये एवं मारपीट कर अपशब्द कहे। रिपोर्ट में कहा कि हमलावर बुद्धिप्रकाश को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर इटावा थानाधिकारी अजीत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि विशेष टीम ने प्रदीप गोचर, सौरभ सेन, रोहित कण्डारा, कौशल प्रजापत, कप्तान नागर एवं इसरार अहमद को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी आरोपियों को पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

इटावा पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

'लोन प्रदाता फाइनेंस कंपनी परिवादी को आभूषण लौटायें'

उपभोक्ता आयोग ने फाईनेंस कंपनी को आदेश दिया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में लोन प्रदाता फाइनेंस कंपनी को आभूषण लौटाने के आदेश दिये। इस संबंध में जिला आयोग के रीडर मदनसिंह भाटी ने बताया कि जैसलमेर निवासी श्रीनाथ बिस्सा ने जिला आयोग के समक्ष एक वाद प्रस्तुत कर आईआईएफएल फाईनेंस के पास रखे उसके 50.3 ग्राम सोने के आभूषण जो उसने गोल्ड लोन राशि रुपये 2 लाख 9 हजार 4 सौ रुपये लेने के लिए फाईनेंस कंपनी के पास रखे थे। अनुबंध के अनुसार 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की अदायगी की दर से लोन राशि प्राप्त की थी।

फाईनेंस कंपनी द्वारा निर्धारित ब्याज दर से अधिक ब्याज दर लगाते हुए राशि भुगतान करने अथवा सोने के आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री करने का उल्लेख करते हुए नोटिस दिया। आयोग के अध्यक्ष एवं पीठासीन अधिकारी पवन कुमार ओझा एवं सदस्य रमेशकुमार गौड़ ने उक्त प्रकरण की सुनवायी कर फाईनेंस कंपनी को नोटिस भेजा, उपस्थित नहीं होने पर कम्पनी के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गई कि बकाया लोन राशि का भुगतान करने पर परिवादी को उसके स्वर्ण आभूषण वापस लौटावें। परिवादी को हुए मानसिक, शारीरिक, आर्थिक परिवाद व्यय पेटे एकमुश्त 15 हजार रुपये अदा करें। उक्त आदेश की पालना निर्णय की तिथि से 45 दिन मे की जावें। पालना नहीं करने पर सम्पूर्ण देय राशि पर ताअदायगी 9 प्रतिशत की दर से ब्याज अदा करे।

स्यालोदड़ा गांव में क्रशर और मिनरल ग्राइंडिंग यूनिट बनती जा रही है 'मौत की फैक्टरी'

नीमकाथाना, (निसं)। सीकर जिले की पाटन तहसील के गांव स्यालोदड़ा में संचालित स्टोन क्रशर और मिनरल ग्राइंडिंग यूनिट ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रही हैं। इन उद्योगों से उड़ने वाली सिलिका युक्त धूल के कारण मजदूर सिलिकोसिस जैसी घातक बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि बीते एक माह में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। रविवार को ओमपाल गुर्जर की जयपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे महज 17 दिन पहले उनके चचेरे भाई छाजूराम की भी इसी बीमारी के चलते जान चली गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि इन दोनों में सिलिकोसिस के स्पष्ट लक्षण थे, लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें टीबी का मरीज बताकर सिलिकोसिस पीड़ित मानने से इनकार कर दिया गया। इसके चलते पीड़ित परिवारों को सरकार की ओर से मिलने वाला मुआवजा भी नहीं मिल पाया।

- **हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि एक माह में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो चुकी है**
- **स्यालोदड़ा में वन विभाग के खसरा नंबर 72 में स्थित चिड़ीमार पहाड़ अवैध खनन का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है**

ग्रामीणों का आरोप है कि स्यालोदड़ा क्षेत्र में स्थित स्टोन क्रेशर और मिनरल ग्राइंडिंग यूनिटों में काम करने वाले कई मजदूर इस बीमारी से पीड़ित हैं। बीते एक वर्ष में इन क्रेशर यूनिटों से जुड़े छह मजदूरों की मौत हो चुकी है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। इसके बावजूद किसी भी पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा नहीं दिया गया। सिलिकोसिस प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया में एक्स-रे अपलोड करने के बावजूद विभाग द्वारा आवेदन खारिज कर दिए जाते हैं। मरीजों की मांग है कि केवल कागजी प्रक्रिया नहीं, बल्कि विशेषज्ञ मेडिकल टीम द्वारा मौके पर फिजिकल जांच की जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। खनिज विभाग द्वारा प्रतिवर्ष सिलिकोसिस जांच शिविर लगाए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि इन शिविरों में आज तक किसी को भी सिलिकोसिस पीड़ित घोषित नहीं किया गया।

पिछले दस वर्षों में गांव में क्रेशर यूनिटों का तेजी से विस्तार हुआ है। यहां बड़े पैमाने पर सिलिका की पिसाई होती है, जिसकी धूल काफी दूर तक उड़ती दिखाई देती है और यही सिलिकोसिस का मुख्य कारण बन रही है। इधर, स्यालोदड़ा में वन विभाग के खसरा नंबर 72 में स्थित चिड़ीमार पहाड़ अवैध खनन का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। रविवार को भी दोपहर करीब दो बजे और शाम के समय दो-तीन बार भारी ब्लास्टिंग की गई, जिससे पूरे इलाके में धूल, धुआं और तेज कंपन के कारण दहशत का माहौल बन गया। अरावली पर्वत श्रृंखला का यह हिस्सा दिन-रात अवैध ब्लास्टिंग से कांप रहा है। खनन माफियाओं की बेरहमी ने पहाड़ को छलनी कर दिया है।

अवैध खनन के चलते हजारों पेड़-पौधे नष्ट हो चुके हैं, जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। वन क्षेत्र से कीमती क्वार्टजाइट पत्थर चोरी कर निकाला जा रहा है, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन माफिया चिडीमार पहाड़ से अवैध ब्लास्टिंग कर ट्रैक्टरों के जरिए महज एक हजार रुपये प्रति टन में पत्थर निकाल लेते हैं, जबकि उसी पत्थर से तैयार सामग्री की कीमत राष्ट्रीय बाजार में करीब पांच हजार रुपये और अंतरराष्ट्रीय बाजार में दस हजार रुपये प्रति टन तक है।ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन और ब्लास्टिंग की सूचना वन विभाग को देने पर पाटन रेंज में कर्मचारियों और संसाधनों की कमी का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचा जाता है। जबकि वास्तविकता यह है कि पाटन रेंज के कई कर्मचारी सीकर रेंज में तैनात हैं और वहीं से वेतन ले रहे हैं।

पाटन और नीमकाथाना तहसील, जहां जिले का सबसे अधिक वन क्षेत्र है, वहां संसाधनों का भारी अभाव बना हुआ है।स्यालोदड़ा क्षेत्र में करीब 30 क्रेशर प्लांट संचालित बताए जा रहे हैं, जिनमें से अधिकांश कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे। आरोप है कि क्रेशर संचालक अवैध रवन्नों के सहारे वन क्षेत्र से चोरी किए गए क्वार्टजाइट पत्थर की पिसाई कर रहे हैं। माइनिंग विभाग से मिलीभगत कर रवन्ने हासिल किए जाते हैं और स्टॉक का मिलान जानबूझकर नजरअंदाज किया जाता है। यदि खानों और स्टॉक का सही मिलान हो जाए तो पूरी सच्चाई सामने आ सकती है, लेकिन विभागीय मिलीभगत के चलते कार्रवाई नहीं हो रही।

माघ मेला तीन जनवरी से

जयपुर। तीर्थराज प्रयाग की पावन धरा पर आगामी माघ मेला पर्व का भव्य आयोजन तीन जनवरी से शुरू होकर एक फरवरी तक चलता रहेगा। इसी के चलते ठिकाना मंदिर श्री गोविन्द देव जी गोविंद धाम की कृपा से आर्ष संस्कृति दिग्दर्शक ट्रस्ट जयपुर सेवा विविध आध्यात्मिक शिविर लगाया जा रहा है। धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडेय ने बताया कि गोविंद की कृपा से गंगा जमुना के संगम तट तीर्थराज प्रयाग की पावन धरा पर शिविर आयोजित किया जाएगा।

जोधपुर को स्वच्छ बनाना हमारा प्रथम लक्ष्य होगा : के. के. गुप्ता

जोधपुर/जयपुर/उदयपुर। स्वच्छ भारत मिशन स्टेट कोऑर्डिनेटर के.के. गुप्ता ने जोधपुर नगर निगम में अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक को संबोधित करते हुये के.के. गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर उतारकर उनके इस विजन को पूरा करेंगे कि देश का प्रत्येक शहर और गांव स्वच्छ सुंदर और हरा-भरा होना चाहिए। इस अभियान की ताकत को समझना होगा यह गरीब और अमीर दोनों के लिए आवश्यक है। के.के. गुप्ता ने कहा कि जोधपुर को स्वच्छ बनाना हमारा प्रथम लक्ष्य होगा। स्वच्छता पर्यटक को भी आकर्षित करती है तथा देश को समृद्ध एवं मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होती है।

- **स्वच्छ भारत मिशन स्टेट कोऑर्डिनेटर गुप्ता ने बैठक ली**

के.के. गुप्ता को नगर निगम आयुक्त द्वारा आमंत्रित किया गया है कि स्वच्छ भारत मिशन के क्षेत्र में जिस प्रकार डूंगरपुर निकाय ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि प्राप्त की है उसी प्रकार जोधपुर निगम क्षेत्र को भी स्वच्छता में आगे बढ़ाने के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाए आज देश और दुनिया में डूंगरपुर स्वच्छता की मिसाल बना है उसी तर्ज पर अगर हम सब मिलकर कार्य करेंगे तो आने वाले समय में जोधपुर भी स्वच्छता के नाम से जाना जाएगा।

बैठक के दौरान यह निर्णय किया गया कि नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 36, 8, 54, 99 और 82 को पायलट प्रोजेक्ट के तहत आदर्श वार्ड के रूप में विकसित किया जाएगा। वार्ड सफाई निरीक्षक क्रमशः ललित रुपाणी, मोहम्मद आदिल, अपूर्व पुरोहित, मदन सिंह और लक्ष्मण सिंह को निर्देशित किया गया है कि, इन वार्डों में सर्वे कर हर घर का मोबाइल नंबर लेकर ग्रुप बनाया जाएगा तथा प्रत्येक घर से प्रतिदिन नियमित रूप से कचरा एकत्र होना चाहिए और गिला तथा सूखा कचरा अलग-अलग एकत्रित किया जाए। कचरा संग्रहण में टाइम बॉन्डिंग रहनी चाहिए तथा यह कार्य 365 दिन चलना चाहिए कचरा संग्रहण का समय प्रातः 6 बजे से 10 बजे तक का होना चाहिए जिसकी मॉनिटरिंग जीपीएस सिस्टम एवं जिओ टेक से की जाए। आगामी एक महीने के भीतर अन्य सभी 95 वार्ड को भी स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया गया।

गुप्ता ने निर्देशित किया कि नगर निगम क्षेत्र में बने हुए 60 शौचालय और 27 मूत्रालय की प्रतिदिन तीन-तीन बार सफाई की जानी चाहिए और प्रत्येक बार जिओ टैगिंग के साथ में फोटोग्राफ अपलोड किए जाएं। इस कार्य के लिए सफाई निरीक्षक रजनीश को पाबंद किया गया। निगम क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए और इसका उपयोग करने वाले पर उचित आर्थिक दंड लगाया जाए।

गुप्ता ने बताया कि वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए वैज्ञानिक पद्धति वाटर हार्वेस्टिंग को अपनाया जाना चाहिए जिसके लिए निगम क्षेत्र के प्रत्येक घर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाए। मकान निर्माण की मंजूरी लेने वाले मकान मालिक से वाटर हार्वेस्टिंग का भी शुल्क वसूला जाए और संबंधित अभियंता द्वारा मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन भी किया जाए और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने को अनिवार्य किया जाए। शहर के विभिन्न इलाकों में खाली पड़े प्लाटों में झाड़ियां उग जाती हैं जिस कारण विषैले जानवरों का खतरा आस पड़ोस वालों को बना रहता है, कतिपय लोगों द्वारा खाली प्लॉट में कचरा भी डाल दिया जाता है। इस स्थिति में भी सुधार करने के लिए नगर निगम द्वारा प्रत्येक खाली प्लॉट के मालिक को सफाई करने के लिए पाबंद करते हुए नोटिस जारी किया जाए और यदि निगम द्वारा सफाई कराई जाती है तो उसका शुल्क वसूला जाए।

के.के. गुप्ता ने जोधपुर नगर निगम में अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली।

नर्सिंग भर्ती की मांग को लेकर प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग और पैरामेडिकल कर्मचारियों ने नर्सिंग भर्ती में मेरिट बोनस अंक (10, 20, 30) के आधार पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने अपने खून से सौ पोस्टकार्ड लिखकर मुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री के नाम भेजे। नर्सिंग और पैरामेडिकल कर्मचारियों का कहना है कि यह कदम उनकी लंबे समय से चल रही संघर्ष की भावना को दर्शाता है। उनका आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों से नर्सिंग भर्ती में सिर्फ अनुभव और अन्य मानकों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि कर्मचारियों की मेहनत और मेरिट को नजरअंदाज किया जा रहा है।

किशनाराम गुर्जर को 'एम्प्लॉय ऑफ द मंथ' सम्मान मिला

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में सजगतापूर्वक एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ ड्यूटी का निर्वहन करने पर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने सोमवार को सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन पर कार्यरत वरिष्ठ तकनीशियन किशना राम गुर्जर को एम्प्लॉय ऑफ द मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया।

वरिष्ठ तकनीशियन किशना राम गुर्जर ने अक्टूबर के दौरान मंडल के डेगाना-रतनगढ़ रेल खंड में उत्पन्न विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अनुकरणीय कार्य निष्पादन करते हुए अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विभिन्न समस्याओं के समाधान में भी तत्परता दिखाई।

इस सराहनीय एवं जिम्मेदाराना कार्य निष्पादन के परिणामस्वरूप मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी द्वारा उन्हें 'एम्प्लॉय ऑफ द मंथ-अक्टूबर' पुरस्कार प्रदान किया गया। वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण) महेंद्र कुमार मीणा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध खनन व परिवहन रोकथाम हेतु कार्यवाही करते हुये थानाधिकारी पीपलू राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पीपलू थाना क्षेत्र में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये बजरी से भरे हुये एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। चालक के खिलाफ पीपलू थाना पर प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान व आरोपी की तलाश जारी है। इसी प्रकार पीपलू थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में शान्तिभंग करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही कर दिनेश पुत्र हनुमान मीणा निवासी प्यावडी, रामदेव गुर्जर पुत्र पप्पुलाल गुर्जर निवासी नाथडी व रामभजन गुर्जर पुत्र भैरुलाल निवासी मोहम्मदनगर ढाणी थाना पीपलू को गिरफ्तार किया गया।

शिल्पग्राम में विभिन्न प्रदेशों के कलाकारों ने समां बांधा

शिल्पग्राम उत्सव के नौवें दिन मुक्ताकाशी मंच पर अनेक राज्यों के लोक कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

उदयपुर, (निसं)। शिल्पग्राम उत्सव के नौवें दिन सोमवार को मुक्ताकाशी मंच पर म्यूजिकल सिंफनी पेश की गई। जब खरताल, रबाब, मोरचंग और पुंग जैसे विभिन्न राज्यों के फोक इंस्ट्रूमेंट्स न सिर्फ एक साथ बजे, बल्कि जब एक दूसरे से सवाल-जवाब के अंदाज में ताल मिलाने लगे तो समूचा शिल्पग्राम झूम उठा। फिर, जब आखिर में गगनभेदी सुरमई आलाप के साथ तीन दर्जन से ज्यादा वाद्य यंत्रों ने एक साथ अपना रंग जमाया तो तमाम श्रोता वाह-वाह करने लगे।

शिल्पग्राम के भव्य मंच पर जब पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान की परिकल्पना और निर्देशन में तैयार इस म्यूजिकल सिंफनी में विभिन्न राज्यों के करीब तीन दर्जन फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के महासंगम ने समां बांध दिया। खास बात यह है कि इसमें राजस्थान के बॉर्डर जैसलमेर-बाड़मेर से लेकर कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ आदि अनेक राज्यों के लोक वाद्य यंत्रों का जादू छाया। सिंफनी से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। मोर पंखों के कॉस्ट्यूम में जब डांसर्स ने मयूर लोक नृत्य की प्रस्तुति दी, तो दर्शक झूम उठे। इसमें राधा और कृष्ण की लीलाओं के साथ ही खुशहाली से जुड़े इस डांस ने दर्शकों का मन मोह लिया।

मणिपुर के अनूठे शास्त्रीय और फोक मिश्रित नृत्य पुंग ढोल चेलम में नर्तकों ने पुंग (ड्रम) बजाते हुए लयबद्ध और कलाबाजियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और पुरुलिया छाऊ नृत्यों में एक्रोबेट, मार्शल आर्ट और शास्त्रीय शैली के अनूठे मिश्रण, महाराष्ट्र के लावणी में नर्तकियों के शृंगार व अदाकारी, राजस्थान के कालबेलिया डांस में नर्तकियों के करतबों ने खूब दाद पाई। मेवात क्षेत्र के भपंग वादन से लोक कलाकार श्रोताओं के दिलों के तारों को झंकृत कर दिया। वहीं, उत्तराखंड के अनूठी और गुदगुदाती छेड़छाड़ वाले छापेली और असम के बिहू डांस की सौम्यता दर्शकों को खूब पसंद आई। इनके साथ ही मणिपुर की नृत्य शैली के साथ मार्शल आर्ट के अनूठे संगम वाले थांग-ता स्टिक डांस ने रोमांच का खूब संचार किया। वहीं गुजरात के सिद्धि धमाल व पश्चिम बंगाल के नटुआ डांस ने दर्शकों में नई ऊर्जा भर दी, तो पंजाब के धमाकेदार भांगड़ा डांस पर दर्शक खूब झूमे। सिंघी छम ने भी दर्शकों को खूब रिझाया। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर सुंदरी वादन, तेराताली, मांगणियार गायन और भवई नृत्य की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने खूब सराहा। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने सोमवार शाम मुक्ताकाशी मंच पर प्रस्तुतियां देखीं और कलाकारों की हौसला अफजाई की।

- **म्यूजिकल सिंफनी में कई राज्यों के फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के महासंगम ने समां बांध दिया**

अवैध खनन के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करें : कलैक्टर

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिले में अवैध खनन के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत जिला स्तरीय कमेटी की समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलैक्टर ने जिले में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए जिला स्तर एवं उपखण्ड स्तर पर खान, वन एवं पर्यावरण, राजस्व पुलिस एवं परिवहन विभाग के गठित संयुक्त दल 15 जनवरी 2026 तक संयुक्त अभियान चलाकर जिले में अवैध खनन, निर्गमन एवं भण्डारण के विरूद्ध प्रभावी रोकथाम की कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्रवाई की रिपोर्ट प्रतिदिन जिला स्तर पर भिजवाई जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में वन एवं पर्यावरण संबंधित नियमों की पालना सुनिश्चित करावे। खनन पट्टों का निरीक्षण कर पट्टेधारियों से नियमों की पालना सुनिश्चित करावे तथा अवैध खनन क्षेत्रों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर उनका समयबद्ध रूप में निरीक्षण करें। उन्होंने निर्देश दिये कि वन विभाग वन भूमि, राजस्व विभाग खातेदारी भूमि एवं खान विभाग राजकीय भूमि में अवैध खनन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें। इसी प्रकार रीको एवं यूआईटी की भूमि में अवैध खनन होने पर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान के दौरान अवैध खनन एवं भण्डारण क्षेत्रों की जांच कर आवश्यकतानुसार ड्रोन सर्वे कराया जावे। उन्होंने खनि अभियन्ता को निर्देश दिये कि ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करें तथा अवैध खनन, निर्गमन एवं भण्डारण के प्रकरणों में निर्धारित अवधि में प्रकरण का कम्पाउण्ड राशि/ निर्धारित शास्ति राशि जमा नहीं करवाने पर एफआईआर दर्ज करावे।

- **कलैक्टर की अध्यक्षता में अवैध खनन के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित**